अलीगढ़ में तैयार पुर्जों से ही चलती हैं अग्नि-ब्रह्मोस-पृथ्वी मिसाइलें

जागरण विशेष

- डिफेंस कारिडोर अलीगढ़ नोड में बन रहे भारतीय मिसाइलों को गति देने के उपकरण
- इनके बिना मिसाइल का फटना तो दूर, चलना भी संभव नहीं होता, उच्च गुणवत्ता भी

गौरव दुबे • जागरण

अलीगढ़ : भारत की घातक व उच्च मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस, पृथ्वी और अग्नि स्वदेशी मिसाइलों में अलीगढ़ में बने पुर्जे लगाए जा रहे हैं। इनका निर्माण डिफेंस कारिडोर अलीगढ़ नोड में किया जा रहा है। छोटे व बेहद अहम इन पुर्जों से ही मिसाइलें चलती हैं। इनके बिना मिसाइल का फटना तो दूर, चलना भी संभव नहीं होता है। विश्वस्तर पर इन मिसाइलों से भारत की अलग पहचान व वर्चस्व है। मिसाइल को आगे बढ़ाने के मुख्य इग्निशन सिस्टम, लग जैसे आवश्यक उपकरण की जरूरत होती है। इसके लिए दीप एक्सप्लो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय का करार हुआ है। इस इकाई में 12 से अधिक तरह के पुर्जे तैयार किए जा रहे हैं। दो वर्ष में 15 लाख से अधिक पुर्जे भेजे जा चुके हैं।

2023 में दीप एक्सप्लो से करार हुआ

15 लाख से अधिक पुर्जे भेजे

डिफेंस कारिडोर अलीगढ़ नोड में बनाए गए ब्रह्मोस, पृथ्वी व अग्नि मिसाइलों के महत्वपूर्ण उपकरण • जागरण

12 से अधिक पुर्जे तैयार हो रहे

2025 में भारत ने उपयोग की हैं मिसाइलें

ब्रह्मोस, पृथ्वी और अग्नि मिसाइलों के पुर्जों की खूबी के चलते भारत इनका निर्यात भी कर रहा है। इन मिसाइलों में फायर करने के लिए, लगने वाला इनर बाडी होल्डर भी अलीगढ़ में ही तैयार किया जा रहा है। फिनिशिंग व गुणवत्ता में अगर बाल के बराबर भी खामी रह जाए, तो पीस रिजेक्ट हो जाता है। इनकी खेप तेजी से रक्षा मंत्रालय के पास भेजी गई हैं। इन पुर्जों की अब तक 15 से 20 लाख की संख्या में आपूर्ति भी की जा चुकी है। वर्ष 2023 में भारत सरकार से दीप एक्सप्लो का करार हुआ था। कंपनी का दावा भी है कि भारत द्वारा किए गए आपरेशन सिंदूर में इन्हीं पुर्जों से लैस भारतीय मिसाइलों ने दुश्मनों पर कहर बरपाया था। मेक इन इंडिया मुहिम को धार देते हुए ये पुर्जे गुणवत्ता में इतने खरे हैं कि दूसरे देश भी पसंद कर रहे हैं। पूर्व में मिसाइलों में ऐसे उपकरणों को लगाने के लिए रूस, इजराइल जैसे देशों की ओर देखना पड़ता था।

दीप एक्सप्लो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की इकाई में रक्षा उत्पादों की फिनिशिंग अत्याधुनिक मशीनों से करते कर्मचारी • जागरण

इन फैक्ट्रियों में बन रहे रक्षा उत्पाद

- एलेन एंड एलयन कंपनी में ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम।
- एमिटेक कंपनी में सेटेलाइट सुरक्षा उपकरण।
- वेरविन कंपनी में गिस्टल व कारतूस।
- नित्या क्रिएशन इंडिया कंपनी में राइफल के उपकरण, रग्ड लैपटाप व अन्य निगरानी उपकरण।
- दीप एक्सप्लो प्राइवेट लिमिटेड में ब्रह्मोस, पृथ्वी और अग्नि स्वदेशी मिसाइलों के उपकरण व एलायर।

डिफेंस कारिडोर पर नजर

- 100 हेक्टेयर जमीन पर खैर तहसील के अंडला गांव में डिफेंस कारिडोर स्थापित है।
- 14 सितंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रखी इसकी नींव।
- 25 निवेशकों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं।
- 05 इकाइयों में उत्पादन हो रहा है।
- 03 इकाई जल्द शुरू होने वाली हैं।

विभिन्न पृथ्वी, ब्रह्मोस व अग्नि मिसाइलों के एक्टिवेशन (सक्रियता) व एक्सप्लोजन (विस्फोट) में सहायक पुर्जे तैयार कर सरकार को आपूर्ति दी गई है। पुर्जे बनाने का करार डिफेंस कारिडोर के तहत भारत सरकार से हुआ है। अभी और ऑर्डर पूरे किए जा रहे हैं।

तरुण सक्सेना, निदेशक, दीप एक्सप्लो, प्राइवेट लिमिटेड